प्रगति और प्रदर्शन का आकलन: प्राथमिक अंग्रेज़ी

हिन्दी (अंग्रेज़ी के साथ)
कमेंट्री: इस प्राथमिक शाला में, अलग अलग भाषा व बोलियों वाली पृष्ठभूमि के लगभग ९० विद्यार्थी, एक ही शिक्षक के साथ पढते हैं। एक कमरे की इस बहुवर्गीय शाला को - एक अधूरी दीवार बाँटती है, जो कक्षा १ और २ के विद्यार्थियों को भी, बाकी विद्यार्थियों से अलग करती है। कक्षा ३ की दो खड़ी कतारें, कक्षा ४ की दो खड़ी कतारें, और कक्षा ५ की तीन खड़ी कतारें, एक ही जगह साथसाथ बैठती हैं। इस पाठ में शिक्षक आकलन के विभिन्न तरीकों को काम में लाते हैं। वह शुरुआत करते हैं, अपनी पाँचों कक्षाओं को अलग अलग काम सौंपने के साथ! **शिक्षक:** सबको अलग अलग दूँगा, सबको अलग अलग गिनना है। **विद्यार्थी:** Sir जी, इसको भी दो, sir जी। **शिक्षक:** सबको दूँगा मैं। ये counting करना है। आप लोग आपस में, साथ-साथ में भी गिन सकते हो। अपनी सहेली को भी साथ में लेकर गिन लेना। **विद्यार्थी १:** Sir जी, two. **शिक्षक:** क्या है? Two? शाब्बास! वाह भाई! आपके पास कितना है? **विद्यार्थी २:** One. **शिक्षक:** One. आपके पास कितना है? **विद्यार्थी ३:** Two. **शिक्षक:** Two. आपके पास कितने है? गिनो। **विद्यार्थी ४:** Three.

शिक्षक: गिनो।

विद्यार्थी ४: One, two, three.

शिक्षक: कितने है?

विद्यार्थी ४: Three.

विद्यार्थी ५: One, two, three, four, five.

शिक्षक: शाब्बास! अब मैं आपको यह काम दे रहा हूँ। चुपचाप, मन-मन में गिनेंगे।

One, two, three... यहाँ three लिख देंगे।

One, two, three, four... four, यहाँ पर four लिखना है।

सबको दे रहा हूँ।

विद्यार्थी: Sir जी।

शिक्षक: चलिए, अब तीसरी वाले बच्चे ध्यान से सुनेंगे। आपको animals के name मालूम हैं ना? कौन कहाँ रहता है? इसके बारे में आपको बताना है। लेकिन वो English में बताना है।

Lion कहाँ रहता है - इसमें देखना है, आपको। ठीक है?

और monkey कहाँ रहता है - यहाँ पर लिखा हुआ है - इसमें से छाँटकर - और - जोडी मिलाना है - ठीक है? आपको...

चलिए, चौथी वाले! सुन लीजिए, मेरे पास!

पशुपक्षियों की बोली मालूम है ना आपको? कुत्ता कैसे बोलता है?

विद्यार्थी: भो! भो!

शिक्षक: हाँ, उसको अंग्रेज़ी में क्या बोलते हैं?

विद्यार्थी: Bark.

शिक्षक: शाब्बास! आपको पता है सबको!

चलो मैं एक table दे रहा हूँ आपको, उस table को क्या करना है? Match करना है।

पाँचवी वाले ध्यान दीजिए, मेरी बात!

अच्छा, मैंने आपको हिन्दी में... पढ़ाई थी, क्या पढ़ाई थी? संज्ञा!

अंग्रेज़ी में उसका नाम है noun! क्या नाम है?

विद्यार्थी: Noun.

शिक्षक: Noun. कुछ noun लिख रहा हूँ, उसको अलग अलग करना है।

मैंने बोला था person, मतलब? व्यक्ति का नाम!

Place, मतलब? स्थान का नाम - जगह का नाम!

और thing, मतलब? वस्तुओं का नाम! ठीक है?

और ना समझ में आये, तो आपस में पूछ भी सकते हैं, आप लोग।

कमेंट्री:

शिक्षक अपने विद्यार्थियों के प्रति सतर्क और तत्पर हैं। लेकिन, हरेक का बारीकी से खुद आकलन करना उनके लिए मुमकिन नहीं है।

वह कुछ विद्यार्थियों को मॉनिटर बनाकर, छोटी कक्षाओं के काम का आकलन करने के लिए कहते हैं।

शिक्षक: तीसरी वाले, थोडासा मेरी बात सुन लीजिए। मैं तीन-चार बच्चों के नाम लूँगा।

आपको पाँचों को, पहली और दूसरी के पास जाना है। उनका paper लेना है, एक-एक बच्चे का। मारेंगे नहीं! डरायेंगे नहीं!

और अलग अलग बच्चों के पास जायेंगे, और उनकी कॉपियाँ सबकी check करना है आपको, right? अगर सही लिखा हो, तो उस पर right का निशान लगाना है, और अगर गलत लिखा हो, तो उस पर - आपके पास जो pencil है - उससे गोला लगाना है।

जिन बच्चों ने सही-सही बनाया है, सब, उसका अपने पास रख लो। जिसने सही नहीं बनाया, उसका वापस उसको ही दे दो।

विद्यार्थी: ले, सही लिखा है।

विद्यार्थी ६: मुझको दे दे। सही सही।

शिक्षक साक्षात्कार:

ये क्या होता है कि, मतलब, जो छोटा बच्चा जब किसी दूसरे बच्चे को समझाता है तो बच्चे की

सुनने की जो वो रहती है, वो ज्यादा रहती है। ये ज़्यादा बढ़िया तरीका होता है...

शिक्षक: चलिए, monitor room कहाँ है? शाब्बास!

शिक्षक साक्षात्कार:

उसके बाद जब बच्चों ने काम check कर लिया, तो फिर मैं आया। मैंने उन बच्चों से कॉपियाँ collect करी। उनका जो check किया था, उसको एक बार recheck किया, कि उन लोगों ने काम जो निर्देश दिए थे, वो सही से पालन किए?

और जो बच्चे छूट गए थे, जिन्होंने काम नहीं कर पाए थे जो, उनको फिर मैंने, उसको दोबारा उनको समझाया। One, two, three, four, five - जो भी मैं उन्हें सिखाना चाहता था।

शिक्षक: इसमें counting करना है अपने को। ये कितना है?

One, बोलिए आप मेरे साथ, one, two, three.

यहाँ three लिखा है अपन ने?

कमेंट्री:

अब शिक्षक, साथी द्वारा आकलन के एक और तरीके का इस्तेमाल करते हैं। इस बार वह, एक ही कक्षा के बच्चों को, एकदूसरे के काम का आकलन करने के लिए कहते हैं।

शिक्षक: चलिए, पाँचवीं वाले बच्चे! आप लोग, आपस में कॉपी बदल के check करो कि - किसने सही करा - किसने गलत करा।

गलत होगा तो उसमें सिर्फ गोला लगाना, है ना? चलो आपस में कॉपी cross-change कर लो। हाँ, तुम उधर बदल लो, शाब्बास!।

सब बच्चे, यहाँ देखिए। अब मैं यहाँ पर तीनों के नाम अलग अलग करूँगा।

यहाँ person, यहाँ place, और यहाँ things, है ना?

यह राम को अपन ने यहाँ पर लिख लिया।

और व्यक्ति का नाम कौनसा है?

विद्यार्थी: मेरा सही है।

शिक्षक: और check कर लो, check करो।

हाँ तो, जो-जो गलत है, आप देखो, समझो, और फिर मुझे बताओ।

Apple तो सही लिखा है उसने?

विद्यार्थी ७: हाँ राम, सुनिता...

विद्यार्थी: हमारा सही है sir.

हाँ यह सही है।

शिक्षक: Very good!

विद्यार्थी: हमारा सही है sir.

शिक्षक: शाब्बास!

विद्यार्थी: यह गलत है...

शिक्षक: Very good!

शिक्षक साक्षात्कार:

मुख्य रूप से मैंने तीन तरह का आकलन किया है।

पाँचवीं वालों को तो, उनकी कॉपी exchange करवा दी एकदूसरे से, या तो पड़ौसी से या पीछे वाले से।

दूसरा तरीका था, तीसरी और चौथी की जो कॉपियाँ थी, वो मैंने स्वयं collect कर लीं। और मैं स्वयं उसको check करके, और उनको वापस return कर दूँगा।

और एक अन्य तरीका था, जो मैंने तीसरी वाले कुछ बच्चे - अच्छे पढ़ने वाले बच्चों - को उठाया, उनको मॉनिटर के तौर पर नियुक्त करा, और उनको पहली और दूसरी वालों के पास जाने के लिए कहा।

और जिन्होंने - बच्चों ने, पहली और दूसरी वालों ने, सही काम किया उनको collect करेंगे, और जिन्होंने सही नहीं किया, उसको उनके पास ही रहने देंगे।

कमेंट्री:

क्या आपने आकलन के इन विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल किया है?

क्या आप अपनी कक्षा में, विद्यार्थी मॉनिटर का इस्तेमाल कर सकते हैं?